

[Home](#)[Validate](#)

General information about company

| | | | |
|---|--------------------------|----|------|
| Name of The Company | POLYSPIN EXPORTS LIMITED | | |
| BSE Scrip Code | 539354 | | |
| NSE Symbol | | | |
| MSE Symbol | | | |
| Date of Start of Financial Year | 01 | 04 | 2021 |
| Date of End of Financial Year | 31 | 03 | 2022 |
| Reporting Period | First half yearly | | |
| Date of Start of Reporting Period | 01 | 04 | 2021 |
| Date of End of Reporting Period | 30 | 09 | 2021 |
| Level of rounding used in financial results | Lakhs | | |
| Whether the company has entered into any Related Party transaction during the selected half year for which it wants to submit disclosure? | Yes | | |

| Related party transactions | | Nature of related party transactions | | Amount of related party transactions | | 2017 | | 2016 | | 2015 | | 2014 | | 2013 | | 2012 | | 2011 | | 2010 | | 2009 | | 2008 | | 2007 | | 2006 | | 2005 | | 2004 | | 2003 | | 2002 | | 2001 | | 2000 | | 1999 | | 1998 | | 1997 | | 1996 | | 1995 | | 1994 | | 1993 | | 1992 | | 1991 | | 1990 | | 1989 | | 1988 | | 1987 | | 1986 | | 1985 | | 1984 | | 1983 | | 1982 | | 1981 | | 1980 | | 1979 | | 1978 | | 1977 | | 1976 | | 1975 | | 1974 | | 1973 | | 1972 | | 1971 | | 1970 | | 1969 | | 1968 | | 1967 | | 1966 | | 1965 | | 1964 | | 1963 | | 1962 | | 1961 | | 1960 | | 1959 | | 1958 | | 1957 | | 1956 | | 1955 | | 1954 | | 1953 | | 1952 | | 1951 | | 1950 | | 1949 | | 1948 | | 1947 | | 1946 | | 1945 | | 1944 | | 1943 | | 1942 | | 1941 | | 1940 | | 1939 | | 1938 | | 1937 | | 1936 | | 1935 | | 1934 | | 1933 | | 1932 | | 1931 | | 1930 | | 1929 | | 1928 | | 1927 | | 1926 | | 1925 | | 1924 | | 1923 | | 1922 | | 1921 | | 1920 | | 1919 | | 1918 | | 1917 | | 1916 | | 1915 | | 1914 | | 1913 | | 1912 | | 1911 | | 1910 | | 1909 | | 1908 | | 1907 | | 1906 | | 1905 | | 1904 | | 1903 | | 1902 | | 1901 | | 1900 | | 1899 | | 1898 | | 1897 | | 1896 | | 1895 | | 1894 | | 1893 | | 1892 | | 1891 | | 1890 | | 1889 | | 1888 | | 1887 | | 1886 | | 1885 | | 1884 | | 1883 | | 1882 | | 1881 | | 1880 | | 1879 | | 1878 | | 1877 | | 1876 | | 1875 | | 1874 | | 1873 | | 1872 | | 1871 | | 1870 | | 1869 | | 1868 | | 1867 | | 1866 | | 1865 | | 1864 | | 1863 | | 1862 | | 1861 | | 1860 | | 1859 | | 1858 | | 1857 | | 1856 | | 1855 | | 1854 | | 1853 | | 1852 | | 1851 | | 1850 | | 1849 | | 1848 | | 1847 | | 1846 | | 1845 | | 1844 | | 1843 | | 1842 | | 1841 | | 1840 | | 1839 | | 1838 | | 1837 | | 1836 | | 1835 | | 1834 | | 1833 | | 1832 | | 1831 | | 1830 | | 1829 | | 1828 | | 1827 | | 1826 | | 1825 | | 1824 | | 1823 | | 1822 | | 1821 | | 1820 | | 1819 | | 1818 | | 1817 | | 1816 | | 1815 | | 1814 | | 1813 | | 1812 | | 1811 | | 1810 | | 1809 | | 1808 | | 1807 | | 1806 | | 1805 | | 1804 | | 1803 | | 1802 | | 1801 | | 1800 | | 1799 | | 1798 | | 1797 | | 1796 | | 1795 | | 1794 | | 1793 | | 1792 | | 1791 | | 1790 | | 1789 | | 1788 | | 1787 | | 1786 | | 1785 | | 1784 | | 1783 | | 1782 | | 1781 | | 1780 | | 1779 | | 1778 | | 1777 | | 1776 | | 1775 | | 1774 | | 1773 | | 1772 | | 1771 | | 1770 | | 1769 | | 1768 | | 1767 | | 1766 | | 1765 | | 1764 | | 1763 | | 1762 | | 1761 | | 1760 | | 1759 | | 1758 | | 1757 | | 1756 | | 1755 | | 1754 | | 1753 | | 1752 | | 1751 | | 1750 | | 1749 | | 1748 | | 1747 | | 1746 | | 1745 | | 1744 | | 1743 | | 1742 | | 1741 | | 1740 | | 1739 | | 1738 | | 1737 | | 1736 | | 1735 | | 1734 | | 1733 | | 1732 | | 1731 | | 1730 | | 1729 | | 1728 | | 1727 | | 1726 | | 1725 | | 1724 | | 1723 | | 1722 | | 1721 | | 1720 | | 1719 | | 1718 | | 1717 | | 1716 | | 1715 | | 1714 | | 1713 | | 1712 | | 1711 | | 1710 | | 1709 | | 1708 | | 1707 | | 1706 | | 1705 | | 1704 | | 1703 | | 1702 | | 1701 | | 1700 | | 1699 | | 1698 | | 1697 | | 1696 | | 1695 | | 1694 | | 1693 | | 1692 | | 1691 | | 1690 | | 1689 | | 1688 | | 1687 | | 1686 | | 1685 | | 1684 | | 1683 | | 1682 | | 1681 | | 1680 | | 1679 | | 1678 | | 1677 | | 1676 | | 1675 | | 1674 | | 1673 | | 1672 | | 1671 | | 1670 | | 1669 | | 1668 | | 1667 | | 1666 | | 1665 | | 1664 | | 1663 | | 1662 | | 1661 | | 1660 | | 1659 | | 1658 | | 1657 | | 1656 | | 1655 | | 1654 | | 1653 | | 1652 | | 1651 | | 1650 | | 1649 | | 1648 | | 1647 | | 1646 | | 1645 | | 1644 | | 1643 | | 1642 | | 1641 | | 1640 | | 1639 | | 1638 | | 1637 | | 1636 | | 1635 | | 1634 | | 1633 | | 1632 | | 1631 | | 1630 | | 1629 | | 1628 | | 1627 | | 1626 | | 1625 | | 1624 | | 1623 | | 1622 | | 1621 | | 1620 | | 1619 | | 1618 | | 1617 | | 1616 | | 1615 | | 1614 | | 1613 | | 1612 | | 1611 | | 1610 | | 1609 | | 1608 | | 1607 | | 1606 | | 1605 | | 1604 | | 1603 | | 1602 | | 1601 | | 1600 | | 1599 | | 1598 | | 1597 | | 1596 | | 1595 | | 1594 | | 1593 | | 1592 | | 1591 | | 1590 | | 1589 | | 1588 | | 1587 | | 1586 | | 1585 | | 1584 | | 1583 | | 1582 | | 1581 | | 1580 | | 1579 | | 1578 | | 1577 | | 1576 | | 1575 | | 1574 | | 1573 | | 1572 | | 1571 | | 1570 | | 1569 | | 1568 | | 1567 | | 1566 | | 1565 | | 1564 | | 1563 | | 1562 | | 1561 | | 1560 | | 1559 | | 1558 | | 1557 | | 1556 | | 1555 | | 1554 | | 1553 | | 1552 | | 1551 | | 1550 | | 1549 | | 1548 | | 1547 | | 1546 | | 1545 | | 1544 | | 1543 | | 1542 | | 1541 | | 1540 | | 1539 | | 1538 | | 1537 | | 1536 | | 1535 | | 1534 | | 1533 | | 1532 | | 1531 | | 1530 | | 1529 | | 1528 | | 1527 | | 1526 | | 1525 | | 1524 | | 1523 | | 1522 | | 1521 | | 1520 | | 1519 | | 1518 | | 1517 | | 1516 | | 1515 | | 1514 | | 1513 | | 1512 | | 1511 | | 1510 | | 1509 | | 1508 | | 1507 | | 1506 | | 1505 | | 1504 | | 1503 | | 1502 | | 1501 | | 1500 | | 1499 | | 1498 | | 1497 | | 1496 | | 1495 | | 1494 | | 1493 | | 1492 | | 1491 | | 1490 | | 1489 | | 1488 | | 1487 | | 1486 | | 1485 | | 1484 | | 1483 | | 1482 | | 1481 | | 1480 | | 1479 | | 1478 | | 1477 | | 1476 | | 1475 | | 1474 | | 1473 | | 1472 | | 1471 | | 1470 | | 1469 | | 1468 | | 1467 | | 1466 | | 1465 | | 1464 | | 1463 | | 1462 | | 1461 | | 1460 | | 1459 | | 1458 | | 1457 | | 1456 | | 1455 | | 1454 | | 1453 | | 1452 | | 1451 | | 1450 | | 1449 | | 1448 | | 1447 | | 1446 | | 1445 | | 1444 | | 1443 | | 1442 | | 1441 | | 1440 | | 1439 | | 1438 | | 1437 | | 1436 | | 1435 | | 1434 | | 1433 | | 1432 | | 1431 | | 1430 | | 1429 | | 1428 | | 1427 | | 1426 | | 1425 | | 1424 | | 1423 | | 1422 | | 1421 | | 1420 | | 1419 | | 1418 | | 1417 | | 1416 | | 1415 | | 1414 | | 1413 | | 1412 | | 1411 | | 1410 | | 1409 | | 1408 | | 1407 | | 1406 | | 1405 | | 1404 | | 1403 | | 1402 | | 1401 | | 1400 | | 1399 | | 1398 | | 1397 | | 1396 | | 1395 | | 1394 | | 1393 | | 1392 | | 1391 | | 1390 | | 1389 | | 1388 | | 1387 | | 1386 | | 1385 | | 1384 | | 1383 | | 1382 | | 1381 | | 1380 | | 1379 | | 1378 | | 1377 | | 1376 | | 1375 | | 1374 | | 1373 | | 1372 | | 1371 | | 1370 | | 1369 | | 1368 | | 1367 | | 1366 | | 1365 | | 1364 | | 1363 | | 1362 | | 1361 | | 1360 | | 1359 | | 1358 | | 1357 | | 1356 | | 1355 | | 1354 | | 1353 | | 1352 | | 1351 | | 1350 | | 1349 | | 1348 | | 1347 | | 1346 | | 1345 | | 1344 | | 1343 | | 1342 | | 1341 | | 1340 | | 1339 | | 1338 | | 1337 | | 1336 | | 1335 | | 1334 | | 1333 | | 1332 | | 1331 | | 1330 | | 1329 | | 1328 | | 1327 | | 1326 | | 1325 | | 1324 | | 1323 | | 1322 | | 1321 | | 1320 | | 1319 | | 1318 | | 1317 | | 1316 | | 1315 | | 1314 | | 1313 | | 1312 | | 1311 | | 1310 | | 1309 | | 1308 | | 1307 | | 1306 | | 1305 | | 1304 | | 1303 | | 1302 | | 1301 | | 1300 | | 1299 | | 1298 | | 1297 | | 1296 | | 1295 | | 1294 | | 1293 | | 1292 | | 1291 | | 1290 | | 1289 | | 1288 | | 1287 | | 1286 | | 1285 | | 1284 | | 1283 | | 1282 | | 1281 | | 1280 | | 1279 | | 1278 | | 1277 | | 1276 | | 1275 | | 1274 | | 1273 | | 1272 | | 1271 | | 1270 | | 1269 | | 1268 | | 1267 | | 1266 | | 1265 | | 1264 | | 1263 | | 1262 | | 1261 | | 1260 | | 1259 | | 1258 | | 1257 | | 1256 | | 1255 | | 1254 | | 1253 | | 1252 | | 1251 | | 1250 | | 1249 | | 1248 | | 1247 | | 1246 | | 1245 | | 1244 | | 1243 | | 1242 | | 1241 | | 1240 | | 1239 | | 1238 | | 1237 | | 1236 | | 1235 | | 1234 | | 1233 | | 1232 | | 1231 | | 1230 | | 1229 | | 1228 | | 1227 | | 1226 | | 1225 | | 1224 | | 1223 | | 1222 | | 1221 | | 1220 | | 1219 | | 1218 | | 1217 | | 1216 | | 1215 | | 1214 | | 1213 | | 1212 | | 1211 | | 1210 | | 1209 | | 1208 | | 1207 | | 1206 | | 1205 | | 1204 | | 1203 | | 1202 | | 1201 | | 1200 | | 1199 | | 1198 | | 1197 | | 1196 | | 1195 | | 1194 | | 1193 | | 1192 | | 1191 | | 1190 | | 1189 | | 1188 | | 1187 | | 1186 | | 1185 | | 1184 | | 1183 | | 1182 | | 1181 | | 1180 | | 1179 | | 1178 | | 1177 | | 1176 | | 1175 | | 1174 | | 1173 | | 1172 | | 1171 | | 1170 | | 1169 | | 1168 | | 1167 | | 1166 | | 1165 | | 1164 | | 1163 | | 1162 | | 1161 | | 1160 | | 1159 | | 1158 | | 1157 | | 1156 | | 1155 | | 1154 | | 1153 | | 1152 | | 1151 | | 1150 | | 1149 | | 1148 | | 1147 | | 1146 | | 1145 | | 1144 | | 1143 | | 1142 | | 1141 | | 1140 | | 1139 | | 1138 | | 1137 | | 1136 | | 1135 | | 1134 | | 1133 | | 1132 | | 1131 | | 1130 | | 1129 | | 1128 | | 1127 | | 1126 | | 1125 | | 1124 | | 1123 | | 1122 | | 1121 | | 1120 | | 1119 | | 1118 | | 1117 | | 1116 | | 1115 | | 1114 | | 1113 | | 1112 | | 1111 | | 1110 | | 1109 | | 1108 | | 1107 | | 1106 | | 1105 | | 1104 | | 1103 | | 1102 | | 1101 | | 1100 | | 1099 | | 1098 | | 1097 | | 1096 | | 1095 | | 1094 | | 1093 | | 1092 | | 1091 | | 1090 | | 1089 | | 1088 | | 1087 | | 1086 | | 1085 | | 1084 | | 1083 | | 1082 | | 1081 | | 1080 | | 1079 | | 1078 | | 1077 | | 1076 | | 1075 | | 1074 | | 1073 | | 1072 | | | |
|----------------------------|--|--------------------------------------|--|--------------------------------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|--|--|
|----------------------------|--|--------------------------------------|--|--------------------------------------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|------|--|--|--|